मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CBKG–003

भारतीय कालगणना में प्रमाण-पत्र

(सी. बी. के. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

सी.बी.के.जी.-003 : भारतीय एवं विश्व के विभिन्न कैलेण्डर

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 70*

नोट : *किन्हीं* ***सात*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के लिए समान अंक निर्धारित हैं।* 7×10=70

---

1. भारतीय पञ्चाङ्ग का परिचय एवं उसके विभिन्न संस्करणों का कारण बताइए।
2. कालगणना आधारित भारतीय पर्वों की वैज्ञानिकता का वर्णन कीजिए।
3. सौर एवं चान्द्र वर्ष दोनों में समन्वय की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।
4. नवविध कालमान का वर्णन कीजिए।

5. नव वर्ष सम्बन्धी भारतीय विविध पक्षों का उल्लेख कीजिए।

6. "भारतीय पञ्चांग में कैलेण्डर की अपेक्षा अधिक खगोलीय ज्ञान की आवश्यकता है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

7. भारतीय मासों के नामकरण तथा ग्रेगोरियन कैलेण्डर के मासों के नामकरण में आधारों की समीक्षा कीजिए।

8. कैलेण्डर सुधार समिति द्वारा निर्मित राष्ट्रीय पंचांग का वर्णन कीजिए।

9. विश्व के किन्हीं **दो** कैलेण्डर के साथ भारतीय पञ्चांग की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।

10. वर्ष 1750 के कैलेण्डर अधिनियम का वर्णन करते हुए बी. सी. तथा ए.डी. की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×